परिशिष्ट सारणी IV.13 : सूक्ष्म वित्त कार्यक्रमों की प्रगति
(मार्च के अंत में)

मद	स्वयं सहायता समूह									
	संख्या (लाख में)					राशि (₹ करोड़ में)				
	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
बैंकों द्वारा वितरित ऋण	18.3 (9.3)	19.0 (9.9)	22.6 (13.8)	27.0 (17.8)	31.5 (22.1)	37,287 (19,406.0)	38,781 (20,012.0)	47,186 (27,479.0)	58,318 (36,818.0)	77,659 (55,589.95)
बैंकों का बकाया ऋण	46.7 (25.0)	48.5 (28.1)	50.2 (30.8)	50.8 (35.1)	56.8 (39.6)	57,119 (30,589.0)	61,581 (34,127.0)	75,598 (43,575.0)	87,098 (58,431.0)	1,08,075 (73,183.94)
बैंकों की बचत	79.0 (39.0)	85.8 (42.9)	87.4 (46.1)	100.1 (60.2)	102.4 (62.6)	13,691 (7,251.0)	16,114 (8,679.0)	19,592 (11,784.0)	23,324 (14,481.0)	26,152 (15,836.27)
	सूक्ष्म वित्त संस्थाएं									
	संख्या (लाख में)					राशि (₹ करोड़ में)				
बैंकों द्वारा वितरित ऋण	647.0	2,314.0	1,922.0	1,933.0	4,762.0	20,796	19,304	25,515	14,626	20,226
बैंकों का बकाया ऋण	2,020.0	5,357.0	5,073.0	5,488.0	15,197.0	25,581	29,225	32,306	17,761	29,289
	संयुक्त देयता समूह									
	संख्या (लाख में)					राशि (₹ करोड़ में)				
बैंकों द्वारा वितरित ऋण	5.7	7.0	10.2	16.0	41.8	6,161	9,511	13,955	30,947	83,103

टिप्पणी : 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े 2015-16, 2016-17, 2017-18 , 2018-19 और 2019-20 के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) के तहत शामिल एसएचजी का विवरण देते हैं।

2. बैंकों से ऋण लेने वाले एमएफआई की वास्तविक संख्या खातों की संख्या से कम होगी, क्योंकि अधिकांश एमएफआई एक ही बैंक से कई बार और एक से अधिक बैंकों से भी ऋण लेते हैं।

स्रोत: नाबार्ड